हनुमान शिक्षण प्रसारक मंडळ सोनपेठ संचलित

कै. रमेश वरपुडकर महाविद्यालय, सोनपेठ, जि. परभणी

हिंदी विभाग

शैक्षणिक वर्ष : 2023-2024

भाग – अ		
उपक्रम / कार्यक्रमाचे क्रमांक		1
उपक्रम / कार्यक्रमाचे नाव		मुंशी प्रेमचंद जयंती
दिनांक-		31 जुलाई 2023
उपक्रम / कार्यक्रमाचे स्वरूप		प्रतिमा पुजन और मार्गदर्शन पर मंतव्य
उद्देश	१	प्रेमचंद के साहित्य से छात्रों को अवगत कराना।
	२	छात्रों में प्रेमचंद जैसा आदर्श और यथार्थ निर्माण करना।
	३	छात्र-छात्राओं में प्रेमचंद जैसी कहानी लेखन की प्रतिभा विकसित करने के उद्देश्य से मार्गदर्शन करना।
	४	प्रेमचंद का साहित्य छात्रों के मन में संस्कार करता है।
	५	प्रेमचंद का साहित्य छात्रों के जीवन को स्वाधीन और स्वाभाविक बनता है।
प्रमुख पाहुणे / मार्गदर्शक / व्याख्याते		अध्यक्ष- हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ. कुलकर्णी वनिता, डॉ. शिवाजी वडचकर
उद्घाटक		
ठिकाण		कै. रमेश वरपुडकर महाविद्यालय, सोनपेठ. जि. परभणी का हिंदी विभाग
उपस्थिती	विद्यार्थी	29
	कर्मचारी	05
	इतर	-
	एकूण	34

भाग – ब

उपक्रम / कार्यक्रमाचे क्रमांक संक्षिप्त विवरण

कै. रमेश वरपुकर महाविद्यालय, सोनपेठ के हिंदी विभाग में तारीख 31 जुलाई 2023 को उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में संकायक्षा प्रो. डॉ. वनिता कुलकर्णी उपस्थित थी। प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में डॉ. शिवाजी वचकर सर की उपस्थिति थी। इस कार्यक्रम का प्रास्ताविक सचिन पवार इस छात्र ने किया। प्राध्यापक डॉक्टर शिवाजी वाहकर सर ने मार्गदर्शन करते हुए कहा कहा प्रेमचंद प्रेमचंद हिंदी में उपन्यास समाट के रूप में प्रसिद्ध है प्रेमचंद को बंग्ला भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार शरदचंद्र चट्टोपाध्याय ने उन्हें 'उपन्यास समाट' कहकर संबोधित किया था। प्रेमचंद के उपन्यासों ने हिंदी उपन्यास साहित्य के क्षेत्र में क्रांति उत्पन्न कर दी थी। प्रेमचंद जी ने कर्मभूमि, रंगभूमि, सेवासदन आदि प्रसिद्ध उपन्यासों की रचना की थी। प्रेमचंद जी ने अपने उपन्यासों में समाज के सभी पक्षों का चित्रण किया। उन्होंने दहेजप्रथा, रिश्वतखोरी अनमेल विवाह, पारिवारिक कलह आदि समस्याओं को अपने सेवा सदन उपन्यास में उकेरा। प्रेमाश्रय तथा कायाकल्प आदि उपन्यासों में प्रेमचंद ने हिंदू, मुस्लिम एकता तथा धार्मिक विदेश की समस्या को अंकित किया है। संपूर्ण जीवन संघर्ष और आदर्श की रक्षा करते हुए उन्होंने जीवन से जुड़े पात्रों और उपन्यासों की रचना की थी। ग्रामीण समस्याओं को उन्होंने अपने यथार्थवादी गोदान नामक उपन्यास में चित्रित किया। गोदान ग्रामीण जीवन की त्रासदी का जीता जागता सजीव मार्मिक चित्रण है। इस तरह से हिंदी के इस उपन्यास समाट ने सर्वप्रथम इस समाज में व्याप्त समस्याओं को देखा जिसमें वह स्वयं रह रहा था, और उन्हें अपने उपन्यासों की विषय वस्तु बनाया। अपने पात्रों का चयन भी उन्होंने उससी जीते जागते समाज से किया। और इसलिए उनके पात्र हमारे प्रतिरूप ही दिखाई देते हैं। अतः प्रेमचंद को हिंदी उपन्यास समाट कहना सर्वथा उचित है। इस कार्यक्रम का सूत्रसंचालन कुमारी दर्गे वैष्णवी इस छात्रा ने किया तो आभार कुमारी मेघा कुरुडे इस छात्रा ने माना।

उपक्रम / कार्यक्रमाची उपयुक्तता

मुंशी प्रेमचंद जी ने अपने कहानी और उपन्यास के माध्यम से लोगों को साहित्य से जोड़ने का काम किया। प्रेमचंद जी की कहानी आज भी प्रासंगिक है। प्रेमचंद का साहित्य अपनी सामाजिकता की वजह से अपने जमीनी विषयों की वजह से पढ़ा जाता रहा है। पढ़ा जाता रहेगा। छात्र प्रेमचंद के साहित्य के मार्गदर्शन द्वारा भारतीय गांव और समाज को जान चुके हैं। इसलिए छात्र प्रेमचंद के साहित्य को पढ़ने की चाहत रखते हैं।

Late Ramesh Warpudkar ACS College
Sonpeth
Pin-431516
Ta.Sonpeth.Dist.Parbhani

भाग – क

उपक्रम / कार्यक्रमाचे खर्चाचे विवरण

अ क्र	खर्च करण्यात आलेल्या वस्तूचे विवरण	झालेला खर्च (रु)	शेरा
1.	पुष्प हार और पुष्प गुच्छ	100 /—	
2.	खिचड़ी और चाय	700 /—	
एकूण खर्च 800 /—			

अहवाल सादर करणाऱ्या समिती / विभाग— हिंदी

पद	नाव	स्वाक्षरी
समिती अध्यक्ष/ विभाग प्रमुख	प्रो. डॉ.कुलकर्णी वनिता	V.B.Kulkarni
समन्वयक	प्रो. डॉ. कुलकर्णी वनिता	V.B.Kulkarni
सदस्य	प्रा. डॉ. वडचकर शिवाजी	

अहवाल सदर केल्याचा दिनांक : 31 / 7 / 2023

टीप: सोबत कार्यक्रमाचे GEO TAGGED फोटो व वर्तमानपत्रातील बातम्या जोडाव्यात

V.B.Kulkarni
प्रो. डॉ. कुलकर्णी वनिता.

PRINCIPAL
Late Ramesh Warpudkar (ACS)
College, Sonpeth Dist. Parbhani

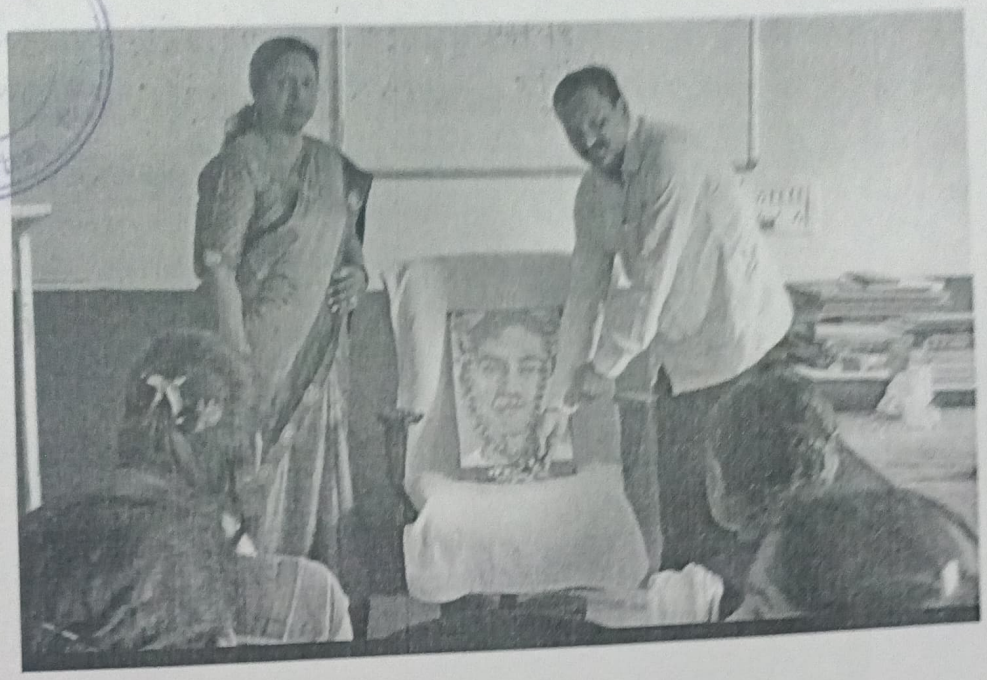

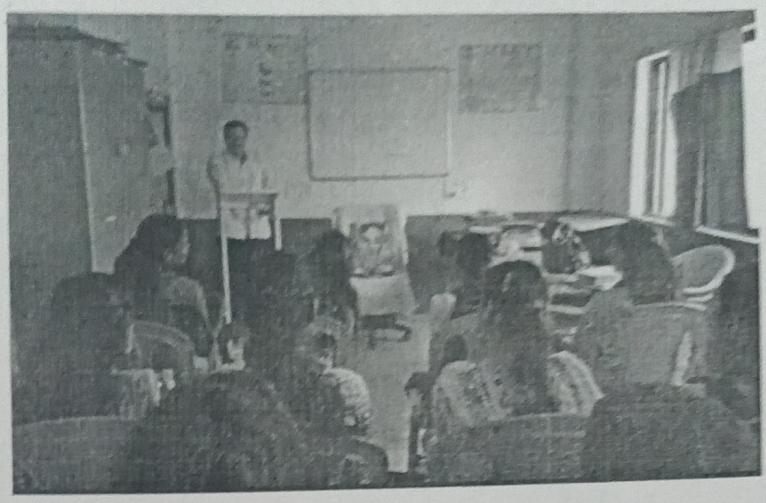

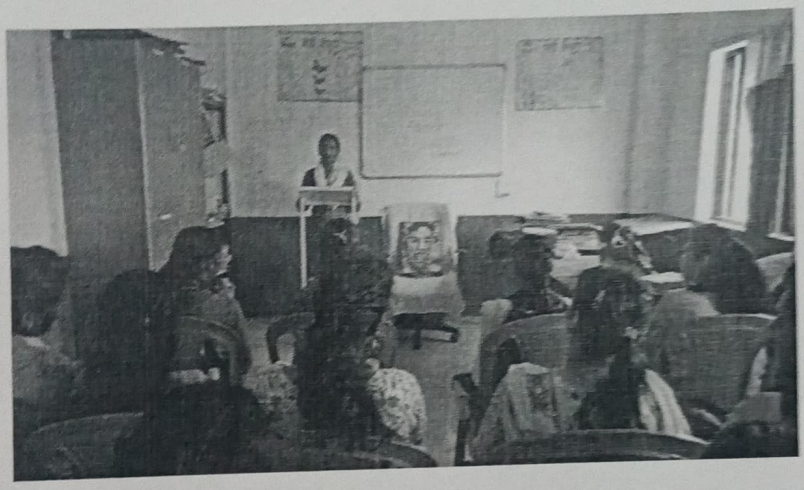

Late Ramesh Warpudkar ACS College
Sonpath
Pin-431516
Ta.Sonpeth Dist.Parbhani

Late Ramesh Warpudkar ACS College
Sonpeth
Pin-431516
Dist. Parbhani

प्रेमचंद यांचे लेखन सामान्य लोकांचे जीवन आणि त्यांच्या संघर्षावर केंद्रित होते-प्रो.डॉ. कुलकर्णी वनिता

सोनपेठ (दर्शन) :- कै. र. ब. महाविद्यालयात प्रेमचंद जयंती साजरी करण्यात आली या कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी हिंदी विभाग प्रमुख प्रो. डॉ. कुलकर्णी वनिता या उपस्थित होत्या तर प्रमुख मार्गदर्शक म्हणून प्रा. डॉ. बडवकर शिवाजी हे उपस्थित होते. या कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक सचिन पवार या विद्यार्थ्याने केले तर प्रा. डॉ. बडवकर शिवाजी यांनी उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद या विषयावर आपले विचार व्यक्त केले अध्यक्षीय समारोप करताना विभाग प्रमुख प्रो. डॉ. वनिता कुलकर्णी म्हणाल्या - प्रेमचंद यांचे लेखन सामान्य लोकांचे जीवन आणि त्यांच्या संघर्षावर केंद्रित होते. भारतीय समाज आणि त्यातील समस्या बद्दलचे त्यांचे सखोल आकलन, तसेच सामाजिक सुधारनेची त्यांची बांधिलकी हे त्यांच्या लेखनाचे वैशिष्ट्य आहे. हिंदी साहित्यात प्रेमचंद यांचे महणीय कार्य उपन्यास व कहानी या क्षेत्रात मोठ्या प्रमाणात आहे. त्यांना 'उपन्यासम्राट' म्हणून गौरविले जाते. हिंदी साहित्याला प्रेमचंदाने अनेक प्रकारे संपन्न केले. समृद्ध गद्यभाषा ही त्यांची हिंदी साहित्याला मिळालेली एक महत्त्वाची देणगी होय. त्यांनी वास्तवाची जी वाट साहित्याला दाखवून दिली ती इतकी अचूक होती की आजही हिंदी कथा साहित्य त्या वाटेवरून वाटचाल करीत समृद्ध होत आहे. या कार्यक्रमाचे सुत्रसंचालन कु. दर्गे वैष्णवी या विद्यार्थिनीने केले तर आभार कु. मेघा कुरडे या विद्यार्थिनीने मानले.